1

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

आरे बाधस्व दुच्छुनाम्।।
साम 627

हे प्रकाशस्वरूप प्रमात्मन्! आप हमें दुष्प्रवृत्तियों से दूर हटाइए।

O the Luminous lord! keep us away from doglike habits such as greediness, quarriling and flattery etc.

वर्ष 41, अंक 34 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 11 जून, 2018 से रविवार 17 जून, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018 प्रचार बैठकों का दौर जारी

बंगलादेश के आर्यों में दिखा अभूतपूर्व उत्साह : ढाका में हुई बैठक

आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल के अथक प्रयास से बंगलादेश में वैदिक साहित्य एवं आर्य विद्वानों के सहयोग से निरन्तर प्रचार-प्रसार को गति देने का प्रयास लम्बे समय से चल रहा है। परिणाम स्वरूप वर्तमान में आर्य संगठन गतिशील हो रहा है। सांगठनिक वृद्धि एवं उत्साह वृद्धि हेतु बंगलादेश की राजधानी ढाका में एक दो दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन 7-8 जून, 2018 को ढाका विश्वविद्यालय के जगन्नाथ हॉल में आयोजित किया गया जिसमें बंगलादेश के विभिन्न जनपदों से नर-नारियों ने अति उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भारत की राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुएदिल्ली से पधारे सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी एवं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी ने अन्तर्राष्ट्रीय महासम्मेलन के लिए बंगला देश के आर्यजनों को आह्वान एवं आमन्त्रण प्रदान किया। आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल के प्रधान श्री दीनदयाल गुप्त जी ने आर्य महासम्मेलन में आने की प्रेरणा के साथ कोलकता होकर जाने वाले आर्यजनों को पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। सभी प्रवक्ता आचार्य योगेश शास्त्री जी ने सम्मेलन संयोजकों के विचारों को बंगला भाषा में स्थानीय

- शेष पृष्ठ 5 पर

मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा की वृहद बैठक इन्दौर में सम्पन्न

सार्वदेशिक सभा एवं मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के मन्त्री श्री प्रकाश आर्य का सम्मान करते सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी। इस अवसर पर मध्य प्रदेश में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 का भी अनावरण किया गया। -विस्तृत समाचार पृष्ठ 5 पर

उत्तर प. दिल्ली की बैठक

17 जून, 2018 प्रात: 10:30 बजे से
आर्यसमाज रोहिणी सै.-7, दिल्ली-110085

उ. प. दिल्ली एवं राहिणी क्षेत्र की आर्यसमाजों के अधिकारी, आर्यवीर, कार्यकर्ता एवं सदस्यगण अधिकाधिक संख्या में पहुंचें

सुरेन्द्र आर्य, प्रधान, उ.प.दि. वेद प्र.मं.
नरेशपाल आर्य, प्रधान, आर्यसमाज रोहिणी सै.-7

महाराष्ट्र आर्य प्रतिनिधि सभा

24 जून 2018 प्रात: 11 बजे
आर्य समाज औरंगाबाद (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र राज्य की समस्त आर्यसमाजों के पदाधिकारिगण, आर्यवीर, कार्यकर्ता एवं सदस्यगण अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर सम्मेलन के प्रचार-प्रसार एवं सफल बनाने मे सहयोगी बनें।

-: निवेदक :-
डॉ. ब्रह्ममुनि, प्रधान
माधवराव देशपांडे, मन्त्री
दयाराम बसैये, उप प्रधान

केन्द्रीय आर्य समाज नेपाल

30 जून 2018 प्रात: 11 बजे
केन्द्रीय आर्य समाज नेपाल, काठमांडू

नेपाल की समस्त आर्यसमाजों के पदाधिकारिगण, आर्यवीर, कार्यकर्ता एवं सदस्यगण अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर सहयोगी बनें।

-: निवेदक :-
कमलाकान्त आत्रे, अध्यक्ष
माधव प्रसाद उपाध्याय, का. अध्यक्ष

वेद-स्वाध्याय

अग्निदेव की महती महिमा

स दर्शतश्रीरतिथिर्गृहेगृहे वनेवने शिश्रिये तक्ववीरिव।
जनंजनं जन्यो नाति मन्यते विश आ क्षेति विश्यो३ विशंविशम्।। -ऋ. 10/91/2
ऋषिः **अरुणो वैतहव्यः**।। देवता - **अग्निः**।। छन्दः **विराड्जगती**।।

शब्दार्थ - **दर्शतश्रीः** = दर्शनीय विभूतिवाला **सः** = वह अग्निदेव **गृहे-गृहे** = घर-घर में **अतिथिः** = अतिथि बना हुआ है और **वने-वने** = वन-वन में, प्रत्येक वस्तु में **तक्ववीः इव** = चोर की भांति **शिश्रिये** = छिपा पड़ा है। **जन्यः** = जन-हितकारी रूप में वह अग्नि **जनं-जनम्** = व्यक्ति-व्यक्ति में ठहरा हुआ **न अतिमन्यते** = व्यक्तित्व का अतिक्रमण नहीं करता और **विश्वः** = सम्पूर्ण प्रजा के हितकारी रूप में वह अग्नि **विशं विशम्** = एक-एक प्रजाजन में बसता हुआ **विशः** = सम्पूर्ण प्रजा में **आक्षेति** = विनास करता है।

विनय- अग्निदेव की विभूति देखो! अग्नि घर-घर में जल रहा है, अग्निहोत्री पुरुष अतिथि की तरह प्रातः- सायं इस अग्नि को अपने घर में उद्बद्ध और सत्कृत कर रहे हैं तथा दिव्य लाभ पा रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रदीप्त इस स्थूल अग्नि से जो अन्य अनगिनत सांसारिक कार्य और उपकार हो रहे हैं, उन्हें भी हम सब जानते हैं, पर यह अग्नि अपने सूक्ष्म, अप्रदीप्त रूप में तो प्रत्येक जंगल में, प्रत्येक वृक्ष में, प्रत्येक समिधा में भी चोर की तरह छिपा बैठा है। प्रत्येक लकड़ी में ही नहीं, किन्तु पानी में, किरण में, प्रत्येक सेवनीय पदार्थ में छिपा हुआ है और वैज्ञानिक लोग प्रत्येक वस्तु में व्यापक इस भौतिक अग्नि का असंख्यों प्रकार से उपयोग ले-रहे है, पर भौतिकी के वैज्ञानिक भी जिस सूक्ष्मता में नहीं घुस पाते उसमें घुसकर देखें तो हमें दीखता है कि ये अग्निदेव प्रत्येक जीवित प्राणी में भी उसका जीवन (Life) और आत्मा होकर विराजमान हैं। प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तित्व को बनाता हुआ यह अग्नि जन-जन में बैठा हुआ है। इसी के कारण प्रत्येक जन अपने व्यक्तित्व में बंधा हुआ है, अपने व्यक्तित्व का अतिक्रमण नहीं कर सकता। इस आत्माग्नि की ही अनन्तप्रकारता को हम देखने लगें और इस अग्नि की विविध किरणों ओर रूपों को देखने लेगें तो इसका ही हम पार न पा सकें, परन्तु इस जनय (जन-हितकारी) अग्नि के अतिरिक्त एक अन्य रूप भी यह अग्नि धारण करती है। यह अग्नि एक विश में, एक प्रजा में, एक जनसमूह में भी निवास करती है। एक-एक प्रजाजन में बसकर भी उसका अतिक्रमण करके यह अग्नि सम्पूर्ण प्रजा की हितकारी, विश्य अग्नि होकर सम्पूर्ण प्रजा का जीवन व आत्मा भी बनती है। यही विश्य अग्नि समाजाग्नि व राष्ट्राग्नि के रूप में प्रकट होती है, जिसमें कि बड़े-बड़े जनसमूह भी समय आने पर आत्महवन किया करते हैं। इस प्रकार इस अग्निदेवता की विभूति अनन्त प्रकार से दर्शनीय है, इसका पार वाणी नहीं पा सकती।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

भारतीय राष्ट्रवाद से खतरा किसे?

साल 2018 अभी ठीक से आधा भी नहीं बीता कि जून माह के शुरूआती दिनों तक ही विश्व भर में आतंकवादियों द्वारा करीब 576 हमले किये गये जिनमें तकरीबन 2,977 मौतों के आंकड़े उपस्थित हो चुके हैं। हमेशा की तरह इन सब में समान रूप से यही प्रचारित किया जा रहा है कि आतंक का कोई मजहब नहीं होता। चाहे बगदाद का हमला हो, कंधार का हो। हमला कश्मीर में हुआ हो या अमेरिका, यूरोप के किसी भी देश में। जबकि इनमें 95 फीसदी हमलावर इस्लामिक स्टेट, तालिबान, बोको हरम, अल शाहबाब, जैश-ए-मोहम्मद या फिर लश्कर जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े रहे हैं।

किन्तु इसी दौरान अमरीकी रियलिटी टीवी शो ''क्वांटिको'' में अचानक डायलॉग होता है कि ''ये पाकिस्तानी नहीं है। इसके गले में रुद्राक्ष की माला है। ये किसी पाकिस्तानी मुसलमान के गले में नहीं हो सकती। ये एक भारतीय राष्ट्रवादी है जो पाकिस्तान को फंसाने की कोशिश कर रहा है।'' ये डायलॉग कोई और नहीं बल्कि खुद एक भारतीय होकर प्रियंका चोपड़ा इस शो में बोल रही है। बताया जा रहा है कि प्रियंका धीरे-धीरे अमेरिका में अपने पंख पसार रही है और अमेरिका के मुख्यधारा के टेलीविजन ड्रामा एबीसी के 'क्वांटिको' का हिस्सा बनी है।

ये प्रियंका का कोई राष्ट्रद्रोह नहीं है क्योंकि प्रियंका इस डॉयलॉग की मालिक नहीं है। डॉयलॉग का मालिक तो कोई और ही रहा होगा पर प्रियंका को सोचना चाहिए था कि देश-विदेशों बसे लाखों लोगों को वहां सम्मान की नज़र से देखा जाता है। इस कारण ये बेहद दिल दुखाने वाला है कि इन सबसे कैसे उन लोगों की छवि को नुकसान पहुंचेगा। जो भारतीय ये टीवी ड्रामा देख रहे होंगे उन पर इसका क्या असर पड़ा होगा। अपने व्यंजनों से लेकर योग और धार्मिक शिक्षाओं के बल पर अपनी उदारवादी जीवन शैली से आगे बढ़ने वाले भारतीय लोगों को अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के सामने जरूर इस डॉयलॉग से धक्का सा लगा होगा।

कल किसी को भी क्वांटिको शो के बारे में कुछ भी याद नहीं रहेगा पर भारतीय राष्ट्रवाद पर दिया गया। ये डॉयलॉग शायद ही कोई भूले। एक तो पहले से ही अमेरिका और आस्ट्रेलिया में भारतीयों पर नस्लीय हमले बढ़े हैं जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय कई बार अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। ऊपर से ऐसी चीजें वहां के जनसमुदाय के सामने परोसना अगले हमलों की दावत देने जैसा है।

असल में अमेरिकी टेलीविजन श्रृंखला एशियाई लोगों की पहचान अधिकांश इसी तरह जारी रखती है किन्तु जब उनके यहाँ कोई हिंसक वारदात होती है तो अपनी पहचान बदल लेते हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में अमेरिका के लास वेगास में संगीत समारोह में हुए हमले में 58 लोगों की जान लेने और 500 से ज्यादा लोगों को घायल करने वाले हत्यारे स्टीफन पैडक को लोन वुल्फ, जुआरी जैसे नामों से पुकारा गया। अगर पैडक अन्य धर्म से होता तो उनके लिए तुरन्त आतंकवादी शब्द नहीं लिख दिया जाता? मसलन कोई गोरा और ईसाई ऐसा हमला करे तो उसे अचानक मानसिक रूप से बीमार बता दिया जाता है।

लेकिन इसके उलट हमारे यहाँ 2007 में अजमेर दरगाह विस्फोट में पिछले साल भावेश पटेल और उसके साथी को आजीवन कारावास की सजा सुनाये जाने के बाद अगले दिन हिन्दुस्तान टाइम्स की हैड लाइन समेत देश-विदेश के मीडिया ने लिखा था ''अजमेर दरगाह विस्फोट केस में दो हिन्दू आतंकियों को आजीवन कारावास'' शायद इस तरीके के मुख्य समाचार ही विदेशी मीडिया की अवधारणा को पुष्ट करते हैं।

भारत में भी साजिश के तहत इस अवधारणा को पोषित तथा पल्लवित किया जा रहा है आखिर ऐसा क्या कारण आन पड़ा था जो एक भारतीय को आतंकी दिखाना

> ***....भारत में भी साजिश के तहत इस अवधारणा को पोषित तथा पल्लवित किया जा रहा है आखिर ऐसा क्या कारण आन पड़ा था जो एक भारतीय को आतंकी दिखाना पड़ गया। दरअसल ये सब अचानक नहीं हुआ। न ही ये सब कथित गौरक्षा के नाम पर अखलाक या जुनैद और पहलु खां की मौत के बाद शुरू हुआ।....***

पड़ गया। दरअसल ये सब अचानक नहीं हुआ। ना ही ये सब कथित गौरक्षा के नाम पर अखलाक या जुनैद और पहलु खां की मौत के बाद शुरू हुआ। इसे समझने के लिए हमें थोड़ा पीछे जाना पड़ेगा। जब साल 1999 में, एक आस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टेनेंस को कथित धर्मांतरण के शक में उड़ीसा में अपने दो युवा बेटों के साथ एक व्यक्ति द्वारा जिंदा जला दिया गया था तो इस दुर्भाग्यपूर्ण एक घटना के बाद से ही कुछेक पश्चिमी लेखकों ने हिन्दू चरमपंथ जैसे शब्दों को घड़ा था। इस घटना से भारत विरोधी विचारधारा वाले लेखकों को संजीवनी सी मिल गयी थी। बस, फिर क्या था, बाकी लोग भी इस बहती गंगा में हाथ धोने और हिन्दू आतंकवाद नाम की चिंगारी भड़काने में लग गये। आखिर कोई ये क्यों नहीं सोचता कि यदि पहलू खां एक मुसलमान होने के नाते मारा गया था तो क्या पिछले वर्ष अमरनाथ जाने वाले वे बदनसीब यात्री हिन्दू होने के नाते नहीं मारे गये थे?

ऐसा नहीं है कि हिन्दू चरमपंथ जैसे शब्दों को घड़ने में सिर्फ विदेशी मीडिया का ही हाथ रहा हो, नहीं! साल 2008 की बातचीत जिसमें राहुल गांधी ने तत्कालीन अमेरिकी राजदूत टिमोथी रोमर से कथित तौर पर कहा था कि कट्टरपंथी हिन्दू समूहों की वृद्धि पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए तैयबा की तुलना में भारत के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है। पिछले वर्ष ही जब कश्मीर से लश्कर ए तैयबा के एक आतंकी संदीप शर्मा जो इस्लाम अपना चुका था को जब तक पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया, तब तक इस आतंकवाद का कोई मजहब नहीं था। लेकिन इसके बाद अखबार के शीर्षक छपे वे पत्रकारिता की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं। शीर्षक थे ''एलईटी का हिन्दू सदस्य संदीप शर्मा पटियाला में रहता था'' (टाइम्स ऑफ इंडिया) यूपी से पकड़ा गया हिन्दू आतंकवादी, भाई कहता है यदि सच है तो गोली मार दे उसे (हिंदुस्तान टाइम्स)

मीडिया ने संदीप को लश्कर के प्रथम हिन्दू आतंकवादी के तौर पर चित्रित किया था। कुछ भाड़े के लोगों को घुसपैठ कराकर सोशल मीडिया के द्वारा एक मुहीम चलाई जा रही है। हमारे कुछ बुद्धिजीवी पत्रकार, नेता, कलाकार तथा तथाकथित सेकुलर पार्टियां भी इसमें सम्मिलित होकर आग में घी का काम कर रही हैं। जबकि हम कोई सऊदी अरब, पाकिस्तान या ईरान जैसे धार्मिक प्रतिक्रियावादी देश नहीं हैं। कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएँ हुई हैं जो शर्मनाक थीं लेकिन इसका अर्थ ये नहीं है समूचे बहुसंख्यक वर्ग समेत भारतीय राष्ट्रवाद को विश्व के लिए खतरे के रूप में परोसकर शोर मचाएं! - ***सम्पादक***

वैदिक शगुन लिफाफे

महर्षि दयानन्द के चित्र एवं वेदमन्त्रों सहित सुन्दर डिजाइनों में

सिक्के वाले	बिना सिक्के
मात्र 500/-रु. सैंकड़ा	मात्र 300/-रु. सैंकड़ा

प्राप्ति स्थान : -दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली
दूरभाष : 011-23360150, 09540040339

पाकिस्तान न धर्म बचा पाया न जान!

....करीब तीन सौ पन्नों की उस रिपोर्ट में कहा गया था कि पाकिस्तान की स्वतंत्रता के वक्त देश में अल्पसंख्यकों की आबादी 20 फीसदी से ज्यादा थी। 1998 की जनगणना के मुताबिक यह संख्या घटकर अब तीन प्रतिशत के करीब है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर 17 फीसदी अल्पसंख्यक समुदाय कहाँ गया?....

कई रोज पहले पाकिस्तान के पेशावर शहर में जिस शख्स को गोली मारी गई, उनका नाम चरणजीत सिंह था। अल्पसंख्यकों के लिए कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता और सिख नेता चरणजीत सिंह की हत्या से एक बार फिर साफ हो गया कि पाकिस्तान में हिन्दू, सिख, और अहमदिया जैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ धर्म के आधार पर हमले लगातार जारी हैं। इस हत्या से एक बार फिर उस कहावत को बल मिला कि पाकिस्तान में एक पाकिस्तानी होने के लिए मुसलमान होना जरूरी समझा जाता है। पिछले वर्ष मानवाधिकार आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट को जारी करने के मौके पर कहा था कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यक पर जुल्म बढ़ा है और लोगों का गायब होना जारी है।

आयोग ने अपनी रिपोर्ट को दिवंगत कार्यकर्ता असमा जहांगीर को समर्पित करते हुए कहा था कि आतंकवाद से सम्बन्धित मौतें भले ही कम हुई हों लेकिन धार्मिक अल्पसंख्यक हिंसा का दंश झेल रहे हैं। उनका अपहरण हो रहा है लेकिन ईश-निन्दा कानून ने लोगों को चुप रहने पर मजबूर कर दिया है। अल्पसंख्यक समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों को असहनशीलता और चरमपंथ ने सीमित कर दिया है। सरकार अल्पसंख्यकों पर जुल्म के मुद्दे से निपटने में अप्रभावी रही और अपने कर्त्तव्यों को पूरा करने में नाकाम रही।

कहा जाता है कि जिन्ना के एक अगस्त के उस भाषण कि ''आप स्वतंत्र हैं अपने मंदिरों में जाने के लिए। आप स्वतंत्र हैं अपनी मस्जिदों में जाने के लिए और अपनी किसी भी इबादतगाह में जाने के लिए। आपके संबंध किसी भी धर्म, जाति या नस्ल से हों, राज्य को इससे कोई लेना-देना नहीं'' पर विश्वास कर पाकिस्तान को अपना मुल्क स्वीकार करने वाले अल्पसंख्यक समुदाय ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिन्ना के अनुयायी आने वाले वक्त में उनके साथ यह हालात पैदा कर देंगे कि उनके नाम और धार्मिक पहचान के साथ उनके धार्मिक स्थल भी उनसे छीन लेंगे। एक अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान में बसने वाले धार्मिक अल्पसंख्यकों में सबसे अधिक संख्या हिन्दुओं की है। ईसाई आबादी के लिहाज से दूसरे बड़े अल्पसंख्यक हैं जबकि उनके अलावा सिख, पारसी, बौद्ध कैलाशी प्रमुख हैं।

पाकिस्तान के चुनाव आयोग के दस्तावेज के मुताबिक पाकिस्तान में कुल हिन्दू मतदाताओं की संख्या 14.9 लाख है, 13.2 लाख ईसाई मतदाता हैं जिनमें 10 लाख पंजाब प्रांत में रहते हैं। इसके बाद सिंध में दो लाख नौ हजार 83 ईसाई मतदाता हैं। कुल एक लाख 19 हजार 749 अहमदी मतदाता हैं। जबकि सिख मतदाता 6193 हैं जिनमें केपी में 2597, सिंध में 1477, पंजाब में 1157, फाटा में 730, बलूचिस्तान में 225 और इस्लामाबाद में सात रहते हैं। इसके अलावा पाकिस्तान में 1643 बौद्ध मतदाता हैं।

करीब तीन सौ पन्नों की उस रिपोर्ट में कहा गया था कि पाकिस्तान की स्वतंत्रता के वक्त देश में अल्पसंख्यकों की आबादी 20 फीसदी से ज्यादा थी। 1998 की जनगणना के मुताबिक यह संख्या घटकर अब तीन प्रतिशत के करीब है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर 17 फीसदी अल्पसंख्यक समुदाय कहाँ गया? दरअसल आज पाकिस्तान में हिन्दुओं की आबादी करीब 70 लाख है और यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है। समुदाय की सबसे बड़ी चिंता जबरन धर्मांतरण है, अधिकतर युवतियों का जबरन धर्मांतरण होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकतर नाबालिग लड़कियों को अगवा कर लिया जाता है उनको जबरन इस्लाम में धर्मान्तरित किया जाता है और फिर मुस्लिम व्यक्ति से शादी करा दी जाती है।

कभी पाकिस्तान से लेकर अफगानिस्तान तक में बौद्ध धर्म का प्राचीन इतिहास था पंजाब में तक्षशिला और खैबर पख्तूनख्वा में तख्त बाई के क्षेत्र में मौजूद स्तूप और स्वात घाटी में जन्म लेने वाली गंधारा संस्कृति जिसे बौद्ध धर्म का पालना माना जाता है। लेकिन अब स्थिति यह है कि पाकिस्तान में बौद्धों का कोई नियमित मंदिर मौजूद नहीं। बौद्धों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व तो शून्य है ही साथ में वह पाकिस्तानी होने के बावजूद पहचान से वंचित है। जैसे कोई भूली-बिसरी कौम हो। धीरे-धीरे हो सकता है कि एक दो पीढ़ी बाद उनका वजूद जड़ से ही खत्म हो जाए। पाकिस्तानी पंजाब में सिखों के कई पवित्र स्थान रहे हैं, लेकिन किन्तु आज अपना वजूद बचाने के लिए संघर्षशील है।

इसके बाद पाकिस्तान में ईसाई लोगों से खतरा बराबर बना रहता है। धर्म के अपमान के कानून का डर तलवार की तरह हर समय उनके समुदाय के सिर पर लटकता रहता है। वह कहते हैं कि हर जगह भेदभाव भी होता है। स्कूलों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती। स्कूलों में इस्लामी शिक्षा की जगह अगर नैतिकता पढ़ाई जाए तो बेहतर होगा। लेकिन उनकी आवाज कौन सुने?

पाकिस्तानी मीडिया में जहाँ ये सवाल उठाये जाने थे वहां मीडिया पाकिस्तान के हिंसक चेहरे को उदारवाद के रंग से लीप-पोतकर खबर चला रही है कि पेशावर की रहने वाली 24 साल की मनमीत कौर पाकिस्तान की पहली सिख महिला पत्रकार बनी। शायद 70 वर्ष के पाकिस्तान की जेब में अल्पसंख्यक समुदाय को खुश करने के लिहाज से सिर्फ एक यही पहली उपलब्धि है। जिसे बार-बार टीवी पर चलाकर पाकिस्तान के चेहरे पर लगे चरणजीत सिंह की हत्या के खून के दाग को धोने की कोशिश की जा रही है। जबकि मजहब के नाम पर पंथ आधारित हिंसा जारी है और सरकार हमलों और भेदभावों से अल्पसंख्यकों की हिफाजत करने में विफल है। चरमपंथी पाकिस्तान के लिए विशिष्ट इस्लामिक पहचान बनाने पर अमादा है और ऐसा लगता है कि उन्हें पूरी छूट दी गई है।

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा

आंधियां चलती रहीं, आशियां बनते रहे

गतांक से आगे -

इधर निगम को भी शक हुआ कि बुडढ़ा ज़रूर कुछ गड़बड़ी करने वाला है। निगम ने बीच रास्ते में मोर्चा लेने की ठानी। झटपट झोले में शीशे के दो बम डाले और कम्पनी बाग़ की ओर चल दिये। सम्भावना यही थी कि अहमद हुसेन इसी रास्ते से गुज़रेंगे। सुनसान होने से यह जगह सुरक्षित भी थी। दोनों एक-दूसरे को पहचानते तो थे नहीं, निगम ने सिर पर तौलिया लपेटा और झाड़ी के किनारे पड़ी एक बेंच पर बैठकर उस घाघ इंस्पेक्टर के आने की प्रतीक्षा करने लगे।

कुछ देर बाद निगम को ताँगे की आहट मिली, जो उसी ओर सरपट दौड़ता चला आ रहा था। वे बेंच से उठे और चहलक़दमी करते हुए सामने सड़क पर जा पहुंचे, जो पार्क के अन्दर ही थी। तभी ताँगा सामने से गुज़रा। आगे ताँगे वाला था और पिछली सीट पर अकेले बैठे थे अहमद हुसेन। दोनों की एक-दूसरे पर नज़र पड़ी। आँखे चार होते ही अहमद हुसेन ने शेरवानी की जेब में हाथ डाला पिस्तोल निकालने के लिए। तभी बिजली जैसी फुर्ती से निगम का हाथ गया झोले में और दूसरे ही क्षण एक बम निकालकर दे मारा अहमद हुसेन पर।

बम ने पूरा काम किया। अहमद हुसेन के दोनों पैर ऐसे गायब हुए जैसे गधे के सिर से सींग, ओर ताँगे से मुँह के बल गिरते ही दाहिने हाथ की हड्डियाँ भी तोड़ बैठे। दाँत टूटे सो अलग। घोड़ा घायल हुआ, लेकिन ताँगे वाले को खरोंच तक न आयी।

इस घटना के तुरन्त बाद हुसेनाबाद का मकान छोड़कर क्रान्ति के दीवाने निगम भूमिगत हो गये। ब्रिटिश गुप्तचरों ने लाख सिर मारा, लेकिन उनका कहीं पता न चला। ब्रिटिश सरकार ने अहमद हुसेन की पूरी पेंशन तो मंजूर की ही, ख़ान साहब का ख़िताब देकर उन्हें माकूल हज़्ज़त भी बख़्शी। ब्रिटिश सरकार की इस परस्ती के बावजूद भारत की आज़ादी के दीवानों का हौसला पस्त करने की हिम्मत कोई न कर सका और उनके ही बलिदानों का फल है देश की यह वर्तमान आज़ादी जिसकी रक्षा का भार अब हम सबको अपने कंधों पर लेना ही होगा।

- क्रमशः

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार :
क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

चुनाव समाचार

आर्य समाज ग्राम दुधवास
जिला खंडवा (म.प्र.)

प्रधान - श्री हीरालाल
मंत्री - श्री कैलाश पालीवाल
कोषाध्यक्ष - श्री पंढरी यादव

आर्य समाज कोसीकलां
मथुरा (उ.प्र.)

प्रधान - डॉ. अमर सिंह पौनियां
मंत्री - श्री नन्द किशोर
कोषाध्यक्ष - श्री सत्य प्रकाश आर्य

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

सम्मेलन स्थल :- **स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85**

विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044

E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org

YouTube : thearyasamaj 9540045898

समस्त आर्यसमाजों, आर्य शिक्षण संस्थानों, गुरुकुलों, व्यापारिक/सामाजिक/सहयोगी संस्थाओं के अधिकारियों की सेवा में

माननीय महोदय,

सादर नमस्ते !

आशा है प्रभु कृपा से आप सपरिवार स्वस्थ एवं सानन्द होंगे।

आपको विभिन्न माध्यमों से विदित हो ही गया होगा कि **"सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा"** के संयुक्त तत्वावधान में **"अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली"** का आयोजन दिल्ली के **स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी** में दिनांक **25-26-27 एवं 28 अक्तूबर, 2018 तक** किया जा रहा है। सारे देश में इसकी तैयारियां आरम्भ हो चुकी हैं। वर्ष 2012 के दिल्ली महासम्मेलन के उपरान्त दक्षिणी अफ्रीका, सिंगापुर-थाईलैंड, आस्ट्रेलिया, नेपाल एवं बर्मा में सफल आयोजनों के पश्चात् दिल्ली में पुन: इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में आपसे निवेदन है कि -

★ अपनी आर्यसमाज के समस्त अधिकारियों, सदस्यों के परिवार एवं विशेषकर युवाओं सहित अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आर्यजनों को प्रेरित करें। आपकी आर्यसमाज की ओर से कितने आर्यजन पहुंचेंगे इसकी सूचना यथाशीघ्र सम्मेलन कार्यालय - दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 को भेजें।

★ वे आर्य महानुभाव जिननके बच्चे विदेशों में कार्यरत है अथवा रहते हैं, उनसे निवेदन है कि उन्हें विभिन्न माध्यमों से सम्मेलन की सूचना अवश्य देवें तथा यदि वे इस वर्ष भारत वापस आने का कार्यक्रम बना रहे हैं तो उनसे सम्मेलन की तिथियों को अपने आगमन कार्यक्रम के मध्य रखने का निवेदन करें, जिससे वे भी सम्मेलन में सम्मिलित हो सकें।

★ अपनी आर्य समाज के बाहर तथा मुख्य मार्ग और चौराहों पर सम्मेलन के होर्डिंग बनवाकर लगवाएं तथा क्षेत्रीय प्रचार सामग्री भी प्रकाशित करवाएं। लोगो, होर्डिंग, बैनर, स्टीकर, पोस्टर, पैम्पलेट आदि प्रचार सामग्री प्रान्तीय सम्मेलन कार्यालय अथवा केन्द्रीय सम्मेलन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा www.aryamahasammelan.org तथा www.thearyasamaj.org से डाउनलोड भी की जा सकती है।

★ अपनी आर्यसमाज की ओर से प्रभातफेरियां करें तथा सम्मेलन मे अधिकाधिक संख्या में पहुंचने के लिए महानुभावों को प्रेरित करें तथा आर्यसमाज की ओर से प्रकाशित होने वाले सभी पत्रकों आदि पर सम्मेलन की सूचना अवश्य दें।

★ सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज/संस्था की विशेष गतिविधियों का विवरण प्रकाशित कराएं, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी संस्था का नाम अंकित हो। स्मारिका 15 अक्टूबर 2018 तक तैयार हो जायेगी और 23×36×8 साईज में प्रकाशित होगी। पूरे पृष्ठ का विज्ञापन साईज 7.5"×10" का एवं आधे पृष्ठ का साईज 7.5"×5" होगा। आप अपना चैक/ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन - 2018"** के नाम केवल खाते में उक्त पते पर भिजवाकर कृतार्थ करें। विज्ञापन सामग्री एवं डिजाईन हमें 30 सितम्बर 2018 तक अवश्य भिजवा देवें। विज्ञापन की दरें नीचे दी गई है।

महासम्मेलन स्मारिका हेतु विज्ञापन दरें

(श्वेत श्याम विज्ञापन)

1. चौथाई पृष्ठ	5000/-
2. आधा पृष्ठ	7500/-
3. पूरा पृष्ठ	10000/-
(रंगीन - चार रंगों में विज्ञापन)	
4. चौथाई पृष्ठ	7500/-
5. आधा पृष्ठ	12500/-
6. पूरा पृष्ठ	21000/-

★ आपकी आर्यसमाज/आपके क्षेत्र में यदि कोई 80 वर्ष से अधिक आयु के आर्य महानुभाव हों, जिन्होंने अपना सारा जीवन आर्यसमाज के प्रचार-प्रसार को समर्पित किया हो अथवा विशेष योगदान दिया हो तो उनका पूर्ण विवरण लिखकर केन्द्रीय आयोजन समिति को भेजे, जिससे उनके नाम को सम्मान समिति के विचारार्थ भेजा जा सके।

★ किसी युवा कार्यकर्ता/महिला कार्यकर्ता का नाम भी प्रेषित करें जिसने आर्यसमाज के प्रचार-प्रसार मे अत्यन्त उल्लेखनीय कार्य किया हो, ताकि उनका परिचय भी सम्मान समिति को विचारार्थ भेजा जा सके।

★ उपरोक्त के अतिरिक्त सम्मेलन को सफल, यादगार एवं और भी अधिक उपयोगी बनाने के लिए आपके पास यदि कोई सुझाव हो तो उसे लिखकर केन्द्रीय आयोजन समिति को भेजें, जिससे आपके सुझावों/विचारों पर चर्चा की जा सके।

सम्मेलन में विशेष कार्य :- दिल्ली में सभा की ओर से आर्यसमाज के कार्यों-गतिविधियों को गति देने के लिए अनेक कार्ययोजनाएं तैयार की जा रही हैं, जिनसे भविष्य में आर्यसमाज का व्यापक हित होगा। उनमें से कुछ के लिए विशेष रूप से आपका सहयोग अपेक्षित है।

इस अवसर पर आर्यसमाज को और ज्यादा व्यापक बनाने के लिए, जन साधारण के बीच पहुंचाने के लिए आई.टी. और अन्य माध्यमों से प्रचार कार्यों तथा अन्य अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं लोकार्पण/घोषणा की जाएगी, जिससे आर्यसमाज एक नई ऊचाई पर पहुंचेगा और विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इस महासम्मेलन में आपका एवं आपकी आर्यसमाज/संस्था का सहयोग पहले से अधिक प्राप्त हो होगा और सम्मेलन को सफल बनाने में आप अपने प्रान्त की ओर से अधिकाधिक सहयोग कर सकेंगे।

धन्यवाद सहित

निवेदक	(महाशय धर्मपाल) अध्यक्ष स्वागत समिति	(सुरेशचन्द्र आर्य) प्रधान, सार्वदेशिक सभा 09824072509	(प्रकाश आर्य) मन्त्री सार्वदेशिक सभा 09826655117	(धर्मपाल आर्य) महासम्मेलन संयोजक 09810061763	(विनय आर्य) महामन्त्री, दिल्ली आ.प्र.सभा 9958174441

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन- दिल्ली : 25-28 अक्तूबर, 2018

सहयोगी युवा आर्य कार्यकर्ताओं का स्वागत है

इस बार के आर्य महासम्मेलन का एक उद्देश्य आर्य समाज में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने को लेकर भी है। जो युवा इस महासम्मेलन में अपना सहयोग देना चाहते हैं, उनको हम सादर आमन्त्रित करते हैं। इतने विशाल सम्मेलन की व्यवस्था को सुव्यस्थित बनाए रखना युवाओं के बिना सम्भव नहीं है। अत: जो युवा आर्य कार्यकर्तागण सम्मेलन की व्यवस्थाओं में सहयोग करने के इच्छुक हों और 23 अक्तूबर से 30 अक्तूबर तक सेवा देना चाहते हों वे अपनी आर्यसमाज/प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभा के माध्यम से अपने नाम, पता एवं मोबाइल नं. सहित सम्पूर्ण विवरण **'महासम्मेलन संयोजक'** के नाम सम्मेलन कार्यालय : आर्यसमाज, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 के पते पर भिजवाने का कष्ट करें। - ***संयोजक***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

भाग लेने के लिए अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभाव अविलम्ब अपना रेल आरक्षण जिस भी रेल में मिले करा लें। ऐसा न हो कि देर होने के कारण आप को टिकट ही न मिले और आप महासम्मेलन में भाग लेने से वंचित हो जाएँ। जहां तक रेलवे छूट का प्रश्न है वहां 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों एवं 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रेलवे में छूट का प्रावधान पहले से ही है, जिसके छूट का लाभ लेते हुए अभी से आरक्षण करा लेना चाहिए। जन-साधारण के लिए रेलवे विभाग से किराया भाड़ा छूट प्रदान करने का निवेदन किया गया है।

आशा है शीघ्र ही किराया भाड़ा छूट प्रमाण पत्र शीघ्र ही प्राप्त होगा।

- ***संयोजक***

कॉलर ट्यून से करें महासम्मेलन का आह्वान

आर्यमहासम्मेलन गीत 'हम आर्य उद्घोष करें' को अपने मोबाइल की कॉलर/रिंग टोन बनाएं। अपने मोबाईल में सम्मेलन गीत की ट्यून सैट करने हेतु दिए गए कोड को मैसेज करें अथवा निम्न लिंक पर क्लिक करें-

http://mobilemanoranjan.com/Hindi/Album/Arya-Udghosh

Airtel	Airtel	DIAL 5432116538214	Idea	Idea	DIAL 5678910497215
Reliance	Set Tune	SMS CT 10497215 to 51234	BSNL E & S	BSNL E & S	SMS BT 10497215 to 56700
BSNL N & W	BSNL N & W	SMS BT 7104896 to 56700	Aircel	Aircel	SMS DT 7104896 to 53000
Vodafone	Vodafone	SMS CT 10497215 to 56789	MTNL	MTNL	SMS PT 10497215 to 56789
TATA	TATA	SMS CT 10497215 to 543211			

प्रथम पृष्ठ का शेष **मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा की.....**

मध्य प्रदेश की ओद्यौगिक नगरी इन्दौर में मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा की बैठक सम्पन्न हुई। दिनांक 10/06/2018 को प्रान्त के विभिन्न क्षेत्र से लगभग 275 सदस्य आर्य समाज दयानंदगंज इन्दौर में एकत्रित हुए।

आगामी माह अक्टूबर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन के सम्बन्ध में सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य एवं उपमंत्री श्री विनय आर्य सभा को सम्बोधित करने हेतु पधारे थे। विगत कुछ वर्षों से सभा द्वारा किए कार्यों व आर्य समाज की वर्तमान स्थिति कार्यो की समीक्षा भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए श्री विनय आर्य ने सभा को अनेक उदाहरण व तथ्यों को बताते हुए सम्बोधित किया।

सभा प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य ने देश विदेश में आर्य समाज के बढ़ते कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। अन्तराष्ट्रीय महासम्मेलन का महत्व और अभी तक सम्पन्न हुए महासम्मेलनों की विस्तृत जानकारी दी। सम्मेलन में भाग लेने की प्रेरणा श्री विनय आर्य और सभा प्रधान जी द्वारा दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों में नवयुवकों की उपस्थिति बड़ी संख्या में थी।

श्री दक्षदेव गौड़ उपमन्त्री इन्दौर संभाग द्वारा सभा की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण देते हुए बताया कि विगत 4 वर्षों में सभा द्वारा 41 नई आर्य समाजों का गठन किया गया है, तथा इस वर्ष 2018 के अन्त तक 50 आर्य समाजों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है, जो पूर्ण होगा ही।

महासम्मेलन प्रचार बैठक को सम्बोधित करते सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी एवं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं आर्यसमाज के पदाधिकायों से भरा आर्यसमाज का हॉल।

शाजापुर क्षेत्र के मोहन बड़ोदिया में कन्या गुरूकुल प्रारंभ करने का निर्णय लिया है जिसके भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ हो चुका है।

सभा प्रधान जी ने सभा की जानकारी पर हर्ष व्यक्त करते हुए दो लाख इक्यावन हजार रूपयों के दान की घोषणा कन्या गुरुकुल हेतु की, सभा में उपस्थित आर्यजनों ने भी लगभग 2 लाख रुपयों की घोषणा की।

इस अवसर पर सभा के सहयोग से एक और बालिका को कन्या गुरुकुल में अध्ययन हेतु आर्थिक सहयोग की घोषणा की गई।

श्री श्वेतकेतु वैदिक ने मासिक पत्रिका वैदिक रवि के 100 सदस्य बनाए और उनकी राशि 20,000/- जमा करवाई, उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से उनका अभिवादन किया।

कार्यक्रम में प्रान्तीय सभा प्रधान श्री इन्द्रप्रकाशजी गाँधी, सार्वदेशिक एवं प्रान्तीय सभामन्त्री श्री प्रकाश आर्य, सातों संभाग के उपप्रधान, उपमन्त्री जिला तथा तहसील संयोजक उपस्थित थे। कार्यक्रम अत्यन्त प्रभावी और चेतना प्रदान करने वाला था। सम्मेलन में हजारों की संख्या में दिल्ली जाने का आश्वासन दिया।

इन्दौर स्थित आर्य समाजों का निरीक्षण - सभा प्रधान श्री सुरेशचन्द्र जी आर्य द्वारा इन्दौर की प्रमुख समाजों व प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ अनाथालय का निरीक्षण किया गया। आर्य समाज दयानन्दगंज, आर्य समाज संयोगितागंज, नगर आर्य समाज, स्वामी श्रद्धानन्द अनाथालय का निरीक्षण देर रात्रि तक किया। इन्दौर में आर्य समाज के कार्यों और व्यवस्था की सभा प्रधान जी ने बहुत प्रशंसा की।

प्रथम पृष्ठ का शेष **बंगलादेश के आर्यों में दिखा अभूतपूर्व .....**

आर्यजनों को भाषान्तरित करके समझाया तथा महासम्मेलन में जाने की सोत्साहपूर्वक प्रेरणा दी। आचार्य ब्रह्मदत्त आर्य, श्री विभाष सिद्धान्त शास्त्री एवं श्री समीरण आर्य ने भी स्थानीय जनता को सम्बोधित किया।

बंगलादेश के आर्यजनों ने सभी आगन्तुक महानुभावों कोभावपूर्ण आतिथ्य प्रदान कर भावविभोर किया। बंगादेशस्थ सभी आर्यजनों का इस प्रेरणादायी कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए हार्दिक धन्यवाद किया। बैठक को सफल नबाने में स्वामी चिदानन्द, विश्वजीत आर्य, रामचन्द्र आर्य, निलय आर्य, आदि कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम रहा।

- आचार्य योगेश शास्त्री

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सेवा ईकाई अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के तत्त्वावधान में

37वाँ वैचारिक क्रान्ति शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न

सार्वदेशिक सभा की सेवा इकाई अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ, दिल्ली के तत्त्वावधान में दस दिवसीय 37वाँ वैचारिक क्रान्ति शिविर आर्य समाज समाज रानीबाग, दिल्ली में 17 से 27 मई के मध्य सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उद्घाटन एवं समापन समारोह में संस्था के अध्यक्ष दानवीर महाशय धर्मपाल चेयरमेन एम डी एच का भरपूर आशीर्वाद मिला। शिविर में लगभग 12 प्रदेशों के 200 से अधिक स्त्री, पुरुष, बच्चों ने भाग लिया जिसमें विद्यार्थियों की संख्या सबसे अधिक थी। शिविर कक्षाओं में विधिवत् आर्य मान्यताओं को दस मानद अध्यापकों के सहयोग से पढ़ाया गया तथा श्री शैल कुमार ने आर्यवीर दल की शिक्षा दी। माता अंजना चावला, माता उषा किरण, श्री ज्ञान प्रकाश, श्री जीववर्धन शास्त्री, आचार्य दयासागर, श्री रमाशंकर शिरोमणि आदि सम्मानित तथा विद्वान अध्यापक वृंद के कारण ही शिविरार्थियों का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। श्री कृष्ण कुमार शर्मा, श्री संजय (एकाउन्टेंट) तथा श्रीमती सुषुमा चावला व बहन सुमेधा आचार्या तथा आर्य समाज सैनिक विहार व आर्यसमाज शकूरबस्ती, आर्य समाज रानीबाग का भरपूर सहयोग शिविरार्थियों को प्राप्त हुआ। शिविर में सभी शिविरार्थियों का आचार्य दयासागर

- शेष पृष्ठ 7 पर

दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ करते महाशय धर्मपाल जी, साथ में आर्य केन्द्रीय सभा के महामन्त्री श्री सतीश चड्डा, महापौर श्री आदर्श कुमार गुप्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते श्री जोगेन्द्र खट्टर जी साथ में दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी एवं विभिन्न प्रदेशों से पधारे दयानन्द सेवाश्रम संघ के कार्यकर्तागण।

समर्पण शोध संस्थान एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के संयुक्त तत्त्वावधान में

संन्यासी स्वामी दीक्षानन्द सरस्वती जन्म शताब्दी समारोह सम्पन्न

(समारोह की विस्तृत रिपोर्ट चित्रमय झांकी अगले अंक में)

Veda Prarthana - II
Regveda - 11/2

Women are Greatest in the Society Because They Create its Virtuous Values

अधः पश्यस्व मोपरि संतरां पादकी हर। मा ते कशप्लकी दृशन्!
स्त्री हि ब्रह्मा बभूविथ।।
ऋग्वेद 8/33/99

Adhah pashyasva mopari santaram padakau hara.
Ma te kashaplakau drashan stri hi brahma babhuvith.
(Rig Veda 8:33:99)

- Acharya Gyaneshwarya

Continue from last issue

In the modern world, there is a common complaint that many children these days are spoiled and undisciplined, they do not behave with respect towards elders, teachers or those in authority. According to Vedic traditions of raising children, when we observe spoiled children they are so, because they were spoiled by their parents and relatives who did not teach them virtuous values, hard work and responsibility. The lead spoiler among all is the mother. Vedas teach us that women are considered greatest/ highest in the society because they are not only the generators of future children but also the creators of a virtuous society and its high moral and social values. If a mother herself is lacking much virtue, is uneducated, ignorant, or diseased then her children most likely will have similar characteristics. The English saying an apple does not fall far from its tree' conveys a similar message.

In summary, women should not perform deeds that would have a bad influence or effect on children, family or the society. Women are far more responsible than men for whatever good culture, ideal traditions, civility and modesty that are still maintained in most societies. If women believe in and have faith in God, follow true dharma in life by doing virtuous deeds, are hard working, and feel secure and respected then the children and society would also have similar values. The current downfall in the morals and characters of many societies and nations in the world to a considerable degree is due to women losing decent moral values in the guise of sexual equality, freedom and having fun in life. May we again instill high moral values taught in the Vedas to all human beings especially women. According to the Vedas, as stated earlier, women are called brahm i.e. greatest; hey are not only equal but superior to men because they create the future values of a society. Dear God, please inspire our mothers, sisters and all women to uplift their lives to-wards virtue and not trap themselves in values which will lead to their and society's downfall.

To Be Continue....

अंधविश्वास निरोधक वर्ष - 2018

अंधविश्वास, पाखण्ड फैलाने वालों के विरोध में आर्य समाज कोटा ने दिया ज्ञापन

आर्य समाज जिला कोटा प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा के नेतृत्व में कोटा के प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित अंधविश्वास एवं पाखण्ड फैलाने वाली खबरों को आधार बनाकर आर्य समाज ने जिला कलेक्टर महोदय से नगर के अस्पतालों, जेके लॉन तथा मेडिकल कॉलेज में इस प्रकार के कार्य रोकने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाने का निवेदन किया। ज्ञापन देते हुए श्री अर्जुनदेव चड्ढा ने बताया कि वर्ष 2018 में आर्य समाज की ओर से अंधविश्वास एवं पाखण्ड के विरोध में अनेक जनजागृति कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर श्री गौरव गोयल ने आश्वस्त किया कि जो भी हो प्रशासन इसके अंधविश्वास और पाखण्ड के विरुद्ध उचित कार्यवाही करेगा।

- अर्जुन देव चड्ढा, प्रधान

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के तत्त्वावधान में 500 आर्यवीरों का

चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

दिनांक : 15 से 24 जून 2018, स्थान गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, फरीदाबाद
उद्घाटन : रविवार 17 जून दीक्षान्त : रविवार 24 जून, 2018

आर्यजन अपने बच्चों को शिविर में भाग लेने हेतु अवश्य भेजें तथा दोनों समारोहों उद्घाटन एवं समापन के अवसर पर अधिकाधिक संख्या में पधारकर आर्य वीरों को अपना आशीर्वाद प्रदान करें। *- जगबीर आर्य, संचालक, 9810264634*

आर्य समाज मन्दिर निर्माणार्थ आधा एकड़ भूमि का मिला दान

ग्राम दुधवास, जिला खण्डवा (म. प्र.) के श्री कैलाश पालीवाल व कुछ धार्मिक महानुभावों ने मिलकर 12 से 14 मई 2018 को वेदकथा सत्संग का आयोजन करवाया। त्रिदिवसीय कार्यक्रम में पूरे ग्राम में शोभा यात्रा निकाली गई और पञ्च कुण्डीय यज्ञ का आयोजन किया गया। गर्मी की अधिकता होने के बाद भी सत्संग पंडाल में सैकड़ों माताओं बहनों, भाइयों की उपस्थिति देखी गई। ऋषि उद्यान के ब्रह्मचारी श्री सत्यवीर (सत्येन्द्र) जी ने योग प्राणायाम की कक्षाएं लीं। ऋषि उद्यान गुरुकुल के ब्र. निरंजन जी उड़ीसा वाले व ब्र. सत्येन्द्र जी दोनों ने भी सुन्दर उपदेश दिये। स्वामी अमृतानन्द जी के ज्येष्ठ पुत्र लातूर महाराष्ट्र के संस्कृत के डॉ. अखिलेश शर्मा जी ने न केवल सपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज की अपितु प्रेरणास्पद व्याख्यान भी दिया। आचार्य आनंद पुरुषार्थी जी ने वेदोपदेश किए।

देव प्रेरणा से एक कृषक सज्जन श्री रामलाल यादव ने आधा एकड़ भूमि दान देने की घोषणा की। भारतीय जनता पार्टी के विधायक देवेन्द्र वर्मा जी ने भी सहयोग का आश्वासन दिया। आचार्य पुरुषार्थी जी ने आर्य समाज की कार्यकारिणी का गठन किया व आर्य समाज की नई कार्यकारिणी के पंजीकरण के बाद जमीन का बैनामा करवाने का कार्य सभी अधिकारियों को सौंपा। सभी अतिथियों के रुकने व भोजन आदि की व्यवस्था श्री हीरालाल के निवास पर की गई। *-कैलाश पालीवाल, मंत्री*

सार्वदेशिक आर्यवीर दल का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर

दिनांक : 4 से 17 जून 2018, स्थान गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, फरीदाबाद
समापन : रविवार 17 जून, 2018

सार्वदेशिक आर्य वीर दल का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह रविवार 17 जून, 2018 को आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर आर्यजन अधिकाधिक संख्या में पधारकर आर्य वीरों का अपना आशीर्वाद प्रदान करें।

- डॉ. स्वामी देवव्रत सरस्वती, प्रधान सेनापति

आओ ! संस्कृत सीखें

अनुवाद (56)

गतांक से आगे....

अधुना वर्षा अवश्यमेव भविष्यति
अब वर्षा अवश्य ही होगी।
टिट्टिभः चन्चुना मृत्तिकां खनत्ति
टिटहरी चोंच से मिटटी खोदती है।
ऊष्णता बहु अधिका अस्ति
गर्मी बहुत अधिक है।
वायुः अपि न प्रवहति
हवा भी नहीं चल रही है।
अधुना वर्षा अवश्यमेव भविष्यति
अब वर्षा अवश्य होगी।
महिलाः किं किं कुर्वन्ति?
महिलाएँ क्या क्या करती हैं?
महिलाः बालकान् पालयन्ति।
महिलाएँ बच्चों को पालती हैं।
महिलाः बलकान् पाठयन्ति।
महिलाएँ बच्चों को पढ़ाती हैं।

महिलाः बालकान् प्रेरयन्ति।
महिलाएँ बच्चों को प्रेरित करती हैं।
महिलाः गृहकार्यम् अपि कुर्वन्ति।
महिलाएँ घर का काम भी करती हैं।
महिलाः श्रमम् अपि कुर्वन्ति।
महिलाएँ श्रम भी करती हैं।
महिलाः पुस्तकानि लिखन्ति।
महिलाएँ पुस्तकें लिखती हैं।
महिलाः मन्त्रिण्यः अपि सन्ति।
महिलाएँ मन्त्री भी हैं।
महिलाः विमानम् अपि चालयन्ति।
महिलाएँ विमान भी चलाती हैं।
सेनायाम् अपि महिलाः सन्ति।
सेना में भी महिलाएँ हैं।

- क्रमशः

-आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय,
मो. 9899875130

प्रेरक प्रसंग

हवन यज्ञ से लाभ

दक्षिण के आर्यभाई सुनाया करते हैं कि एक बार एक पौराणिक विद्वान् ने भाईजी से शास्त्रार्थ करते हुए हवन-यज्ञ के लाभ की बात छेड़ दी। वैसे तो पौराणिक भी हवन करते हैं, परन्तु जो बात आर्यसमाज कहे व करे, उससे उलट जाना वे अपना पेट-धर्म मानते हैं।

भाईजी ने हवन-यज्ञ के कई लाभ बताये। यथा-वायु की शुद्धि व वेदरक्षा आदि।

पौराणिक विद्वान् ने बड़े भद्दे ढंग से कहा कि फिर तो आप आर्यों को संडास में ही हवन करना चाहिए। भाई वंशीलाल जी इसपर तनिक भी उत्तेजित न हुए। जैसे को तैसा के अनुसार झट से बोले, ''तो फिर आप काहे को माथे पर चन्दन लगाते हैं। मल द्वार पर लेपा करें, तिकिट (मिर्ची) के सेवन के कारण वहाँ अधिक ठण्डक की आवश्यकता है।''

भाईजी के इस उत्तर ने विरोधी का मुख बन्द कर दिया और श्रोता भाईजी की प्रत्युत्पन्नमति से अत्यन्त प्रभावित हुए।

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु
साभार :
तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी **: पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

आर्य समाज सैक्टर 3, 4, 5, 6 एवं विजय विहार, रोहिणी के लिए जनता फ्लैट क्रय हेतु सहयोग की अपील

आपको जानकर अत्यन्त हर्ष होगा कि दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में स्थित आर्य समाज में स्थानाभाव को देखते हुए एक जनता फ्लैट क्रय करने का निश्चय किया गया है जिसका मूल्य लगभग 18 लाख रुपये है।

इस हेतु समस्त आर्यसमाजों, दानी महानुभावों, सहयोगी संस्थानों, संगठनों से सहयोग सादर अपेक्षित है। आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक धनराशि का सहयोग नकद/चैक/बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से प्रदान करके पुण्य के भागी बनें।

कृपया अपनी सहयोग राशि का चैक/बैंक ड्राफ्ट **''दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा''** 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 के पते पर भिजवाने की कृपा करें। आप चाहें तो अपनी दानराशि सीधे सीधे सभा के निम्न बैंक खाते में जमा कर सकते हैं। कृपया राशि जमा करते ही श्री मनोज नेगी जी मो. 9540040388 को सूचित करें तथा अपनी जमा पर्ची aryasabha@yahoo.com पर ईमेल कर दें ताकि रसीद भेजी जा सके।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
भारतीय स्टेट बैंक, जनपथ, नई दिल्ली
खाता सं. 33723192049, IFSC : SBIN0001639

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।

-: निवेदक :-

धर्मपाल आर्य — प्रधान, मो. 9810061763
विनय आर्य — महामन्त्री, मो. 9958174441

पृष्ठ 5 का शेष

तथा आर्यसमाज रानीबाग के पुरोहित श्री सुनील शास्त्री ने यज्ञोपवीत संस्कार कराया तथा आचार्य चंद्र शेखर जी ने यज्ञोपवीत पर प्रवचन दिया। 26 मई को शिविरार्थियों को दिल्ली भ्रमण कराया गया। 27 मई को शिविर का समापन समारोह दिल्ली हाट जनक पुरी दिल्ली में सम्पन्न हुआ जिसमें अनेक सम्मानित सज्जनों ने भाग लिया। आर्य गुरुकुल रानीबाग के ब्रह्मचारियों तथा सैनिक विहार शान्ति देवी गुरुकुल की ब्रह्मचारियों ने मनमोहक साँस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

महाशय धर्मपाल जी ने कर्मशील सज्जनों को संस्था की ओर से सम्मानित किया तथा श्री विनय आर्य ने आर्य समाज के समक्ष खड़ी कड़वी सच्चाइयों को रखा और अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन, दिल्ली में सभी को पधारने के लिए आमंत्रित भी किया। कई योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए घोषणा भी की। संस्था के मंत्री जोगेन्दर खट्टर ने संस्था का परिचय दिया और सहयोग की अपील की और कहा कि अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ जिसे स्वर्गीय पृथ्वीराज शास्त्री तथा उनके बाद उनकी पत्नी स्वर्गीया माता प्रेमलता शास्त्री ने पाला, पोषा तथा बढ़ाया एवं अब उसे आगे ही बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। नि:शुल्क गुरुकुलों का संचालन, बालवाड़ियाँ, सिलाई केन्द्र, तथा संस्कार केन्द्रों के द्वारा गरीब तथा अभाव ग्रस्त क्षेत्रों में सेवा कार्य व दयानंद विद्या निकेतन पब्लिक स्कूलों की श्रृंखला हमारे कार्यो को प्रगतिशील बना रही है। भविष्य में हमारे कार्यो की सुगंध काला पानी यानि अंडमान निकोबार में भी आएगी। उन्होंने सहयोगियों के लिए कृतज्ञता भी जताई। समापन समारोह, उद्घाटन समारोह व यज्ञपवीत संस्कार में पधारने वाले तथा सहयोग देने वाले सभी सज्जनों का एवं संघ के प्रत्येक कार्यकर्ता का संघ के महामंत्री जोगेन्द्र खट्टर एवं धर्मपाल गुप्ता जी ने धन्यवाद किया। शिविर को कतिपय आर्य नेताओं जैसे श्री वाचोनिधि आर्य, श्री अरुण एब्रोल, श्री धर्मपाल आर्य, प्रधान दिल्ली प्रतिनिधि सभा तथा भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सुरेश गुप्ता, वनवासी कल्याण आश्रम दिल्ली प्रदेश के प्रभारी श्री सुरेश कुलकर्णी तथा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेश आर्य ने भी संबोधित किया।

- जोगेन्द्र खट्टर, महामन्त्री

शोक समचार

डॉ. ओम प्रकाश रुस्तगी दिवंगत

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के उपप्रधान श्री शिव कुमार मदान जी के समधी डॉ. ओम प्रकाश रुस्तगी (बालरोग विशेषज्ञ) का दिनांक 2 जून 2018 को 75 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। डॉ. रुस्तगी आर्य समाज जनकपुरी सी-3 के सदस्य थे। डॉ. रुस्तगी एक अनुभवी व योग्य चिकित्सक थे। वे दूसरों की मदद करने के लिए सदा तत्पर रहते थे। डॉ. रुस्तगी अपने पीछे धर्मपत्नी, 1 सुपुत्र व 1 सुपुत्री का भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018

आने वाले महानुभाव अपने आने की व्यक्तिगत सूचना तुरन्त भेजें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली, में भाग लेने वाले महानुभाव के लिए भोजन तथा आवास की व्यवस्था की गई है। अत: अपने आगमन की पूर्व सूचना अग्रिम भेजने की कृपा करें जिससे आपके ठहरने व भोजन की सुन्दर व्यवस्था की जा सके। आप अपना नाम, पता, मोबाईल नं., ईमेल पता निम्न प्रकार के प्रारूप में, **संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018, 15 हनुमान रोड, दिल्ली-110001** के पते पर भेज देवें-

प्रपत्र का प्रारूप

1. नाम : .....पिता का नाम : .....
2. पूरा पता (स्पष्ट अक्षरों में) : .....
   .....
   राज्य ..... पिन कोड : .....
3. मोबाईल नं. : .....
4. ईमेल (यदि हो तो) : .....
5. सम्बन्धित आर्य समाज का नाम : .....
6. आगमन की तिथि : ..... प्रस्थान की तिथि : .....
7. आने का साधन : रेल/बस/निजी वाहन : .....
   (यदि निजी वाहन है तो वाहन का नाम व वाहन सं.) :.....
8. आगमन स्टेशन का नाम : .....

दिनांक : ..... हस्ताक्षर
.....

महासम्मेलन के अवसर पर होगा भव्य स्मारिका का प्रकाशन विज्ञापन, संस्था/आर्यसमाज/ पारिवारिक परिचय दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 दिल्ली के अवसर पर भव्य स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा। यदि आप अपना कोई विज्ञापन, अपनी संस्था/आर्यसमाज/अपने परिवार के सम्बन्ध में सामग्री प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो आप विज्ञापन के रूप में अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि और कार्य का परिचय दे सकते हैं। इसके लिए **संयोजक, स्मारिका, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001** को पत्र लिखें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करके सम्पर्क करें। - ***संयोजक***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन: प्रकाशित स्मारिका हेतु निवेदन

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका हेतु वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से निवेदन है कि आर्य समाज के अनछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यो को आजतक किसी ने नहीं जाना-पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखों को ए-4 साईज के पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर **'स्मारिका सम्पादक'** के नाम **'अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018', 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली -110001'** के पते पर या ईमेल aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करने की कृपा करें। **-सम्पादक**

यज्ञ के प्रचार-प्रसार में ऐतिहासिक कार्य में आर्य समाज प्रीत विहार की उपलब्धि

आर्यसमाज प्रीतविहार ने यज्ञ के प्रचार-प्रसार की दुनिया में एक ऐतिहासिक कार्य मकर संक्रांति तदनुसार 14 जनवरी, 2018 से आरम्भ किया है। प्रतिदिन आर्य समाज प्रीतविहार द्वारा प्रीत विहार, निर्माण विहार, मधुवन, शंकर विहार, शकरपुर, स्वास्थ्य विहार, लक्ष्मी नगर, डिफेंस इन्क्लेव, न्यू राजधानी इन्क्लेव, गगन विहार, मौसम विहार, सुख विहार, राधेश्याम पार्क, बलदेवपार्क, जगतपुरी, पटपढ़गंज सोसाइटी, दयानन्द विहार, सूरजमल विहार, योजना विहार, रामप्रस्थ, वैशाली, मण्डावली, पाण्डव नगर, जाग्रति इन्क्लेव, आनन्द विहार, राम विहार आदि अनेक कॉलोनियों के पार्क में प्रतिदिन यज्ञ एवं भजनों का कार्यक्रम रखा जाता है। अब तक 108 यज्ञ सम्पन्न हो चुके हैं और यह काम निरन्तर चल रहा है। लगभग 30 से 140 लोग प्रतिदिन इस काय्र में भाग लेकर आर्य समाज प्रीतविहार से जुड़ रहे हैं।

स्वयं आर्यसमाज के प्रधान श्री सुरेन्द्र कुमार रैली जी नित्य प्रति जाकर इन यज्ञों का निरीक्षण करते हैं तथा आर्य समाज प्रीतविहार द्वारा किए जा रहे कार्यो तथा यज्ञ की वैज्ञानिक व्याख्या से लोगों को परिचित भी कराते हैं। आर्यसमाज प्रीतविहार ने इसकार्य के लिए एक पुरोहित व एक भजनोपदेशक अलग से रखा है। आर्यसमाज के सेवक और आर्य वीरदल के काय्रकर्ता एक दिन पहले जाकर क्षेत्र में पत्रक बांटकर आते हैं। उससे पहले प्रधान जी पत्र लिखकर रेजीडेण्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अधिकारियों से लिखित अनुमति प्राप्त करते हैं। उसके पश्चात् विधिपूर्वक संध्या, हवन, भजन एवं प्रवचन का कार्य होता है। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा लिखित 'यह पाखण्ड और अंधविश्वास' पुस्तक नि:शुल्क बांटी जाती है। अभी तक 108 सफल यज्ञ करने के उपरान्त भी यह शुभ कार्य निरन्तर जारी है। ***-कीर्तिराज दीवान, कोषाध्यक्ष***

सोमवार 11 जून, 2018 से रविवार 17 जून, 2018
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2018–19–2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 14–15 जून, 2018
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018–19–2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 13 जून, 2018

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन – 2018 दिल्ली

25–26–27–28 अक्टूबर, 2018 को

ऐतिहासिक, भव्य, सफल एवं उपयोगी बनाने हेतु

सुझाव आमन्त्रित

प्रतिष्ठा में,

समस्त सुधी पाठकों, वैदिक विद्वानों, लेखकों, चिन्तकों, आर्यसमाज के हितैषि महानुभावों से अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को सफल और उपयोगी बनाने के लिए उनके अनुभवों के आधार पर सुझाव आमन्त्रित किए जाते हैं। आपने वर्ष 2006 के उपरान्त तथा इससे भी पूर्व में आयोजित महासम्मेलनों में भाग लिया है। इन सम्मेलनों में आपको कुछ व्यवस्थाएं अच्छी लगी होंगी तथा कुछ में सुधार की अपेक्षा भी की होगी।

अत: आपसे निवेदन है कि इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को सफल, ऐतिहसिक, अविस्मरणीय और भव्य बनाने के लिए कृपया अपने सुझाव निम्न पते पर भेजें। आप चाहें तो ईमेल भी कर सकते हैं-

संयोजक
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली—110001, दूरभाष : 09540029044
Email:aryasabha@yahoo.com;
Web:www.aryamahasammelan.org;
www.thearyasamaj.org

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018 ध्यान देने योग्य बातें

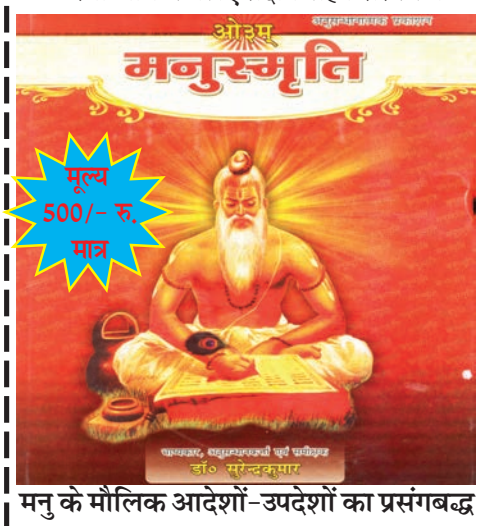

1. महासम्मेलन में स्वयं तो आएं साथ में अपने परिवार व बच्चों को भी साथ लावें।
2. अपनी संस्थाओं के आर्यवीर/ आर्य वीरांगनाओं विद्यार्थियों को परिवार सहित साथ लावें।
3. अपने इष्ट–मित्रों, सम्बन्धियों को महासम्मेलन में आने के लिए प्रेरित करें।
4. ऐसे परिवारों को अवश्य आमंत्रित करें जो पहले कभी आर्य समाजी थे पर किन्हीं कारणों वश अब आर्य समाज से सम्बन्ध नहीं रख पा रहे हों।

देश और समाज विभाजन के षड्यन्त्र का पर्दाफास

आओ! जानें मनुस्मृति का सच

स्वाध्याय के लिए प्रक्षेप रहित संस्करण

मनु के मौलिक आदेशों–उपदेशों का प्रसंगबद्ध वर्णन होने से स्वाध्यायशील महानुभावों के लिए परम उपयोगी।
मूल्य : ~~600~~/- 500/-
प्राप्त करने हेतु सम्पर्क करें
वैदिक प्रकाशन, 15 हनुमान रोड,
नई दिल्ली-1, मो. 9540040339

तेजी से बढ़ रहे हैं आर्यसमाज YouTube चैनल के दर्शक

74, 00, 000 + ने देखा अब तक

आप भी देखें और सब्सक्राइब अवश्य करें और अपने मित्रों, सम्बन्धियों को देखने की प्रेरणा करें।

अपने आर्यसमाज के आयोजनों - भजन, प्रवचन, सन्देशात्मक कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को इस चैनल पर अपलोड कराने के लिए upload@thearyasamaj.org पर भेजें।

यदि आप लगातार नई वीडियो देखना/सूचना प्राप्त करना चाहते हैं तो घंटी बटन दबाकर सब्सक्राइब करें।

– महामन्त्री

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए–29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र–1, नई दिल्ली–28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह